PLI और भारत का विकास पारिस्थितिकी तंत्र

प्रिलिम्स के लिये:

उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन योजना (Production Linked Incentive scheme-PLI), विनिर्माण क्षेत्र, ईज़ ऑफ डूइंग बिज़नेस, 5G, ग्रीन टेक्नोलॉजी, कार्बन फुटप्रिंट, फ्री ट्रेड एग्रीमेंट्स, वन-डिस्ट्रिक्ट-वन-प्रोडक्ट, SFURTI

मेन्स के लिये:

उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन योजना के तहत उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन, भारत के विकास पथ में PLI का योगदान

चर्चा में क्यों?

दुनिया कोविड-19 महामारी के मद्देनज़र एक नए आर्थिक वातावरण के साथ समायोजित हो रही है, ऐसे समय में **भारत** वैश्विक मूल्य शृंखलाओं में खुद को एक प्रमुख अभिकर्त्ता के रूप में स्थापित करने के लिये इसे **रणनीतिक अवसर** के तौर पर देख रहा है।

- उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन (PLI) योजना के लिये विनिर्माण उद्योग की सकारात्मक प्रतिक्रिया के परिणामस्वरूप **श्रम बल कौशल को उन्नत करने, पुरानी मशीनरी को बदलने, उत्पादन बढ़ाने, सुव्यवस्थित रसद और संचालन सुनिश्चित किया जाने की संभावना है,** जिससे भारत को विनिर्माण क्षेत्र में एक प्रमुख अभिकर्त्ता के रूप में उभरने का अवसर प्राप्त होगा।

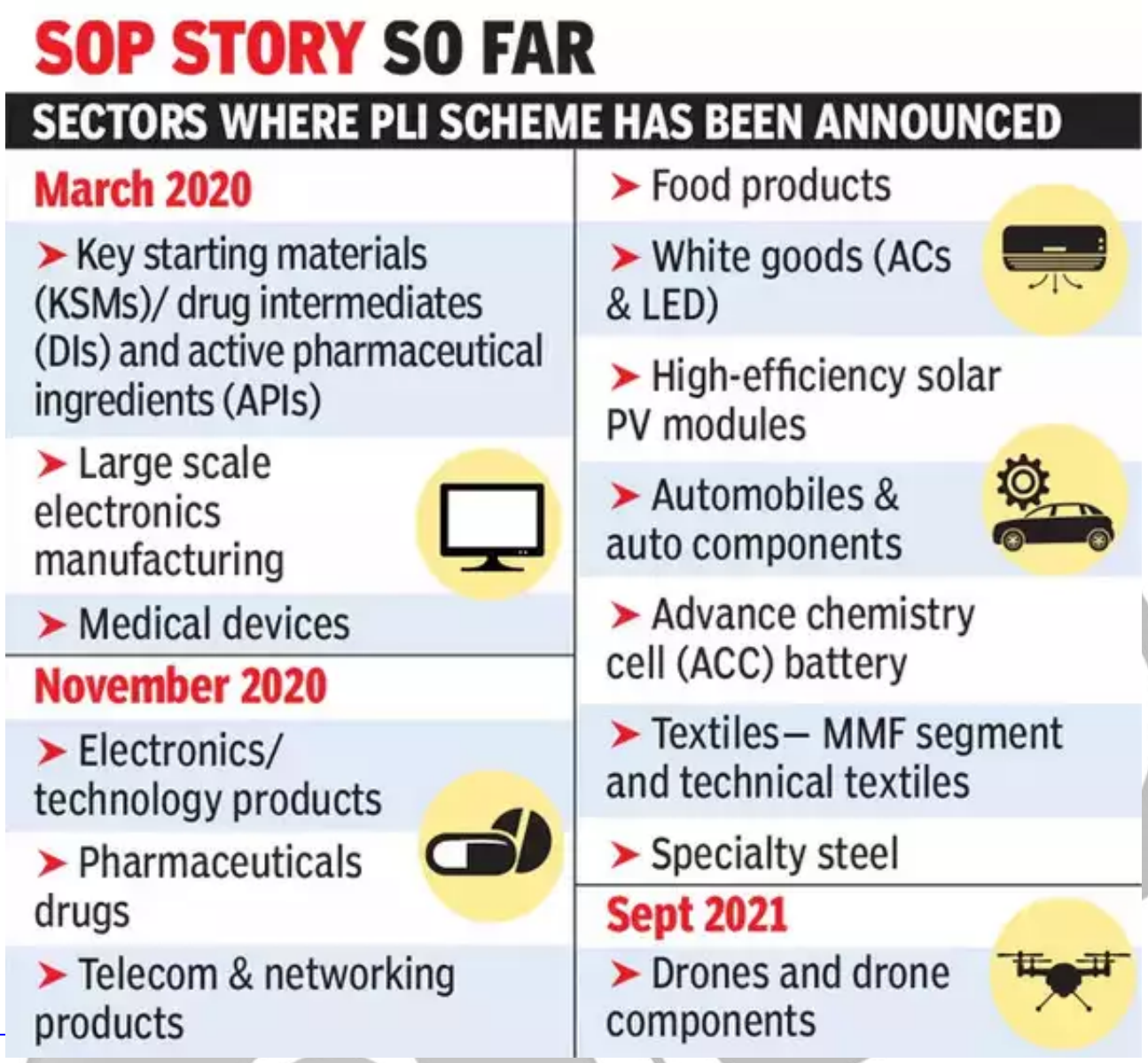

//

उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन योजना (PLI):

- **परिचय:**
  - **भारत सरकार द्वारा 14 प्रमुख विनिर्माण क्षेत्रों में PLI योजना की शुरुआत** विनिर्माण उद्योग के लिये अपने रणनीतिक लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है।
    - 1.97 लाख करोड़ रुपए के बजट के साथ**यह योजना विभिन्न प्रोत्साहनों और सहयोग उपायों के माध्यम से लक्षित उद्योग के विकास और स्थिरता को प्रोत्साहित करने के लिये अच्छी तरह से डिज़ाइन की गई है।**
  - मार्च 2020 में शुरू की गई इस योजना ने प्रारंभ में **तीन उद्योगों** को लक्षित किया:
    - मोबाइल और संबद्ध घटक विनिर्माण
    - विद्युत घटक विनिर्माण
    - चिकित्सीय उपकरण
- **लक्षित क्षेत्र:**
  - इसके तहत लक्षित 14 क्षेत्र इस प्रकार हैं- **मोबाइल विनिर्माण**, चिकित्सा उपकरणों का निर्माण, ऑटोमोबाइल और **ऑटो घटक**, फार्मास्यूटिकल्स, दवाएँ, विशेष इस्पात, दूरसंचार और नेटवर्किंग/संजाल उत्पाद, इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद, **एसी और एलईडी**, खाद्य उत्पाद, वस्त्र उत्पाद, सौर पीवी मॉड्यूल, उन्नत रसायन विज्ञान सेल (Advanced Chemistry Cell-ACC) बैटरी और[ड्रोन एवं ड्रोन संबंधित घटक]।
- **योजना के तहत प्रोत्साहन:**
  - दिये जाने वाले प्रोत्साहनों की गणना **बढ़ी हुई बिक्री के आधार** पर की जाती है।
    - उन्नत रसायनिक सेल बैटरी, वस्त्र उत्पाद और ड्रोन उद्योग जैसे**कुछ क्षेत्रों में दिये जाने वाले प्रोत्साहनों की गणना पाँच वर्ष की अवधि में की गई बिक्री,** प्रदर्शन तथा स्थानीय मूल्यवर्द्धन के आधार पर की जाएगी।
  - **अनुसंधान एवं विकास हेतु निवेश पर ज़ोर दिये जाने से** किसी भी उद्योग को वैश्विक रुझानों के साथ अंतर्राष्ट्रीय बाज़ार में प्रतिस्पर्द्धी

बने रहने में मदद मिलेगी।

भारत के विकास पारिस्थितिकी तंत्र में PLI की भूमिका:

- **आयात निर्भरता में कमी:** विनिर्माण परिदृश्य में यह बदलाव वैश्विक व्यापार पर महत्त्वपूर्ण प्रभाव डाल सकता है,**साथ ही एकल-स्रोत देश पर निर्भरता को कम कर सकता है और उत्पादन के स्रोतों में विविधता ला सकता है।**
- **मांग की आपूर्ति:** 4G और 5G उत्पादों को तेज़ी से अपनाने के साथ खासकर दूरसंचार एवं नेटवर्किंग क्षेत्रों में उत्पादन की मात्रा में हुई वृद्धि उपभोक्ताओं की मांग को पूरा कर रही है।
    - बड़े पैमाने पर इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण (Large-Scale Electronics Manufacturing- LSEM) क्षेत्र में**PLI योजना के सफल परिणाम देखे गए हैं, भारत में उपयोग किये जाने वाले 97% मोबाइल फोन्स का निर्माण अब भारत में ही किया जा रहा है।** PLI योजना के तहत सितंबर 2022 तक LSEM क्षेत्र के लिये 4,784 करोड़ रुपए का निवेश आकर्षित किया गया और 41,000 अतिरिक्त नौकरियाँ सृजित की गईं।
- **कार्बन फुटप्रिंट में कमी:** PLI योजना के तहत हरित प्रौद्योगिकियों पर ज़ोर दिये जाने से कार्बन फुटप्रिंट को कम करने में मदद मिलेगी और भारत, **हरित नीति कार्यान्वयन में अग्रणी के रूप में स्थापित होगा।**
- **मुक्त व्यापार समझौतों को बढ़ावा देना:** बेहतर उत्पादकता बेहतर बाज़ार पहुँच के लिये मुक्त व्यापार समझौतों को बढ़ावा दे रही है और बिक्री में वृद्धि से **बेहतर लॉजिस्टिक कनेक्टिविटी** की मांग बढ़ रही है।
- **ग्रामीण भारत के विकास को आगे बढ़ावा देना:** भारत सरकार ग्रामीण क्षेत्रों के उद्योगों और कारीगरों को देश की विकास गाथा का हिस्सा बनने में मदद करने के लिये राज्यों के साथ मिलकर काम कर रही है।
    - यह कार्य स्थानीय व्यवसायों का समर्थन करने के लिये"एक ज़िला-एक-उत्पाद" और पारंपरिक उद्योगों को बेहतर बनाने हेतु"स्फूर्ति (SFURTI)" जैसी पहलों के माध्यम से किया जा रहा है।

स्रोत: द हिंदू

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/pli-and-india-s-growth-ecosystem